

धकार पुं. (देश.) 1. ध वर्ण या उसकी ध्वनि 2. कान्यकुब्ज तथा सरजूपाणि ब्राह्मणों के वर्ग का वह बाह्मण जो उनकी दृष्टि में निम्न कुल का हो 3. एक राजपूत जाति 4. कम पानी में होने वाला धान।

धकारा पुं. (देश.) धक्कधकी, खटका, आशंका।

धकियाना स.क्रि. (देश.) धक्का देना, ढकेलना।

धकेलना स.क्रि. (देश.) ढकेलना, धक्का देना, ठेलना।

धकेलू पुं. (देश.) धक्का देने वाला, ढकेलने वाला।

धकैत वि. (देश.) धक्कम-धक्का करने वाला, धक्का देने वाला।

धक्क स्त्री. (देश.) दे. धक् पुं. दे. धक्का।

धक्कपक्क स्त्री. (देश.) दे. धक्कपक्क क्रि.वि. (देश.) धड़कते हुए जी के साथ, डरते हुए।

धक्कमधक्का पुं. (देश.) अत्यधिक भीड़-भाड़ में बहुत सारे आदमियों द्वारा परस्पर धक्का देने की क्रिया, ढेलमठेल, रेल-पेल।

धक्का पुं. (तद्.) 1. किसी को धकेलने या आगे बढ़ाने के लिए उसके पीछे की ओर से डाला जाने वाला दबाव या आघात प्रयो. दरवाजा धक्के से खुला 2. टक्कर के साथ वेगपूर्वक लगने वाला आघात प्रयो. गाड़ी के धक्के से वह जमीन पर गिर पड़ा 3. हानि, घाटा प्रयो. उन्हें व्यापार में आपकी वजह से सौ रुपए का धक्का लगा 4. विपत्ति 5. कष्ट का आघात, मार्मिक पीड़ा प्रयो. पत्नी की मृत्यु के धक्के ने उसे कमजोर कर दिया 6. कुश्ती का एक पेंच जिसमें बायाँ पैर आगे रखकर विपक्षी की छाती पर दोनों हाथों से धक्का देते हुए नीचे गिराया जाता है मुहा. धक्का खाना- धक्का सहना, ठोकर खाना प्रयो. जीवन में सफल होने से पहले उन्होंने बहुत धक्के खाये/सहे; धक्का (या धक्के) देकर निकालना- अनादर या तिरस्कारपूर्वक दूर करना या हटाना।

धक्काड़ वि. (देश.) जिसकी खूब धाक जमी हो, धाकड़ 2. अपने विषय में पारंगत जो बड़ा विद्वान हो, प्रभावशाली।

धक्कामुक्की स्त्री. (देश.) ऐसी लड़ाई जिसमें लोग एक-दूसरे को धक्के दें, धूँसों आदि से मारें 2. अपने लिए स्थान बनाने या बचाव के लिए अन्य लोगों को धकेलने की क्रिया या भाव की स्थिति।

धखना अ.क्रि. (देश.) जलना, प्रज्ज्वलित होना।

धगड़ पुं. (देश.) दे. धगड़ा।

धगड़ा पुं. (देश.) 1. किसी स्त्री का जार, उपपति 2. बिना विवाह किए जिसे किसी स्त्री ने पति बना लिया हो 3. लुच्चा।

धगड़ी स्त्री. (देश.) 1. व्यभिचारिणी स्त्री 2. रखैल 3. धाय (राजस्थान में)।

धगधगाना अ.क्रि. (देश.) 1. धड़कना (दिल का, हृदय का) 2. दहकना 3. धक्कधक्क करना, धड़कना (हृदय का, जी का)।

धगरा पुं. (देश.) दे. धगड़ा।

धगरिन स्त्री. (देश.) 1. शिशु जन्म के बाद नाल काटने वाली स्त्री 2. धाँगर जाति की स्त्री 3. अहीरिन।

धगरी स्त्री. (देश.) व्यभिचारिणी, कुलटा स्त्री।

धगवरी वि. (देश.) 1. पति की मुँह लगी, दुलारी 2. कुलटा, व्यभिचारिणी।

धगा पुं. (देश.) धागा, डोरा, तागा, सूत।

धगुला पुं. (देश.) हाथ में पहनने का एक आभूषण।

धगड़ पुं. (देश.) 1. आटे आदि की वह टिकिया जो फोड़े, सूजन आदि पर उसे दबाने या इलाज की दृष्टि से बाँधी जाती है 2. धगड़ा।

धक्कचाना स.क्रि. (देश.) 1. डराना, दहलाना 2. धक्कना (स्थानिक प्रयोग)।

धक्कना अ.क्रि. (देश.) 1. दलदल में धँसना 2. संकट में पड़ना।

धक्का पुं. (देश.) 1. झटका, धक्का, आघात, झोंका 2. धक्कने की क्रिया या भाव 3. क्षति, नुकसान।

धक्काना स.क्रि. (देश.) 1. दलदल में फँसाना 2. संकट में डालना 3. दबाने के लिए हल्का आघात पहुँचाना।